कृषि विज्ञान केंद्र कल्याण, पुरुलिया में स्वामी विवेकानन्द के कृषि चिंतन पर विचार-विमर्श और किसान सम्मेलन आयोजित

23 जुलाई 2024, पुरुलिया

आज कृषि विज्ञान केंद्र कल्याण, पुरुलिया में स्वामी विवेकानन्द के कृषि चिंतन पर विचार-विमर्श एवं किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन, बेलूर मठ, हावड़ा के महासचिव श्रद्धेय श्रीमत स्वामी सुविरानंद जी महाराज द्वारा केवीके कल्याण परिसर में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में, स्वामी सुविरानंद जी महाराज ने स्वामी विवेकानंद के समग्र और समावेशी उत्थान के दृष्टिकोण पर विचार किया, एक ऐसा दृष्टिकोण जो हर विकासात्मक कार्यक्रम के केंद्र में गूंजता है। उन्होंने कहा कि स्वामीजी का दृष्टिकोण दैनिक जीवन के ताने-बाने में प्रगति और आशा के धागों को संयोजित रूप से बुनता है, जिससे नवीनीकरण और आकांक्षा का ताना-बाना बनता है।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रदीप डे, निदेशक, आईसीएआर-अटारी, कोलकाता ने स्पष्ट रूप से इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे शिक्षा, आत्मनिर्भरता और गरीबों की सेवा पर स्वामी विवेकानन्द का शाश्वत प्रभाव आज भी कृषि विस्तार कार्यक्रमों को प्रेरित करता है। डॉ. डे ने इस बात पर जोर दिया कि सतत कृषि विकास के लिए किसानों को ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाकर, स्वामीजी के दूरदर्शी आदर्श हमारी आधुनिक दुनिया में गहराई से प्रासंगिक बने रहेंगे।

रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ, पुरुलिया के सचिव, स्वामी शिवप्रदानंद महाराज ने खूबसूरती से व्यक्त किया कि स्वामी जी का आदर्श एक गहन परिवर्तन को बढ़ावा देता है, जिससे हाशिए पर रहने वाले ग्रामीण समुदायों के जीवन में सुधार होता है।

कार्यक्रम में कल्याण के अध्यक्ष श्री स्वपन कुमार बंद्योपाध्याय और सचिव, स्वामी भास्करानंद और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

कार्यक्रम में राज्य सरकार के जिला अधिकारी, केवीके कल्याण, पुरुलिया के अधिकारी व कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए।